सुर्खियों के सरताज 2024

8 जनवरी, 2025 60 रुपए

# इंडिया टुडे

## छा गए युवा ग्रैंडमास्टर

सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने गुकेश डोम्माराजू अंतरराष्ट्रीय मंच पर तेजी से छा रहे भारतीय किशोरों की पूरी एक फौज की अगुआई कर रहे. ये नौजवान शातिर बड़ी स्पर्धाएं जीतकर देश का नाम रोशन करने में जुटे

CamScanner

मंदार देवधर

पी, 21 वर्ष

गु ...से ऊंची नंबर 4 की रैंक और बेहतर एलो रेटिंग के साथ तेलंगाना में हनमकोंडा के इस लड़के को सिंहासन के लिए चैंपियन को चुनौती देने वाले सबसे संभावित खिलाड़ी के तौर पर देखा जा रहा था. वेस्टब्रिज एकेडमी के तत्कालीन शिष्य का लक्ष्य कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिए क्वालिफाइ करना होगा. शतरंज के रैपिड और ब्लिट्ज फॉर्मेट में निपुण अर्जुन अपनी स्थिति को लेकर स्पष्ट होने और जटिल चालों से अपने विरोधियों को हक्का-बक्का कर देने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं.

लाख व्यूज बटोर चुका है. समय की बातूनी और हंसोड़ कमेंटरी ने शतरंज के घुग्घू और खूसटों का खेल होने की धारणा को बदलने में अहम भूमिका निभाई. या जैसा कि अपना मजाकिया पहलू दिखाते हुए आनंद ने समय से कहा: ''तुमने शतरंज को मजाक में बदल दिया है.''

शतरंज की बिरादरी समय और बिस्व कल्याण सरीखे ऑनलाइन रचयिताओं के असर को स्वीकार करती है. बिस्व ने तो भारत में शतरंज की विलक्षण प्रतिभाओं पर डॉक्यूमेंटरी *कैंडिडेट्स* का सह-निर्देशन भी किया है, जो 2025 में रिलीज होगी. शतरंज की जानी-मानी कमेंटेटर और आइएम तानिया सचदेव, जो ओलंपियाड में स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा भी थीं, कहती हैं, ''शतरंज के बारे में मुश्किल हिस्सा यह था कि उसे कठिन और डराने वाला खेल समझा जाता था. हमें कांच की वह दीवार तोड़नी पड़ी. समय के जैसी गैर-पेशेवर शतरंज खिलाड़ी की आवाज से खेल वाकई कई गुना बढ़ा.'' सचदेव और आनंद दोनों ने सागर शाह और चेसबेस इंडिया की कोशिशों की भी तारीफ की, जिसने इस ''खेल को दर्शकों के लिए खोल दिया.'' सागर ने 2015 में भारत में शतरंज के परिदृश्य को कवर करना शुरू किया, सबसे युवा और होनहार खिलाड़ियों के इंटरव्यू किए, और साथ ही शतरंज के शौकीनों को तकनीकी सामग्री मुहैया की ताकि वे अपना हुनर निखार सकें.

हाल ही में समय और सागर मुंबई के द हैबिटैट में आयोजित विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 14 गेमों की बिल्कुल पहले-पहल स्क्रीनिंग-सह-लाइवस्ट्रीमिंग के केंद्र में थे. चेस डॉट कॉम के साथ भागीदारी में, आनंद के अलावा समय और भट्ट सरीखे कॉमेडियन और दूसरों ने सागर और तानिया सचदेव के साथ जुड़कर लंबे-लंबे गेमों में कमेंटरी की. सचदेव, जिन्हें रेड बुल का सहारा हासिल है, कहती हैं, ''शतरंज में विजुअल नहीं बोलते. आपको शतरंज के प्रति सच्चा रहते हुए उसे सुलभ और मनोरंजक बनाना होता है. आप दर्शकों को यह महसूस करता नहीं छोड़ सकते कि ये हो क्या रहा है.''

**''मैं अगस्त '13 में चेन्नै में था और मुझसे क... मैं इ... बेहत... से मिलूंगा. अब ऐसा लगता है कि उनमें आधे या तो ग्रैंडमास्टर हैं या आला टूर्नामेंट खेल रहे हैं...''**

**–मैग्नस कार्लसन, पूर्व विश्व चैंपियन**

दर्शकों ने गतिरोध तोड़ने वाली चालों पर खुशी जाहिर की, गुकेश का गुणगान किया और उन्हें समर्पित एक गाना 'गो, गो, गुकी गो' लाइव गाया. ऑनलाइन दर्शक संख्या भी अच्छी-खासी थी. हरेक गेम औसतन 15 लाख दर्शकों तक पहुंचा, जिसमें सबसे ज्यादा 39 लाख व्यूज फाइनल गेम में आए. एक और आशाजनक आंकड़ा—70 फीसद ऑनलाइन दर्शक 19-34 वर्ष आयु वर्ग के थे. तमिलनाडु तो भारत में शतरंज का गढ़ है, लाइवस्ट्रीम के ज्यादा व्यूज महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक से आए.

अगर पिछले दो साल के प्रदर्शन की मानें तो भारत के शतरंज का भविष्य बहुत ही संभावनाओं से भरा जान पड़ता है. पेशेवर खिलाड़ियों के लिए यह महंगा खेल है, जिसमें प्रशिक्षण के अलावा टूर्नामेंटों में हिस्सा लेने की खातिर विदेश जाने के लिए धन जुटाना पड़ता है. खुशकिस्मती से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अलावा और ज्यादा निजी कंपनियां भी भारत के चमकते सितारों को सहारा देने के लिए बड़ा धन दांव पर लगा रही हैं. गुकेश और वैशाली के पास वेस्टब्रिज है, तो अर्जुन और प्रज्ञा की पीठ पर क्रमशः क्वांटबॉक्स और अदाणी का हाथ है, और निहाल सरीन को अक्षयकल्प मिल गया है. अखिल भारतीय शतरंज महासंघ भी है. उसके 65 करोड़ रु. के सालाना बजट का एक हिस्सा सात अलग-अलग आयु श्रेणियों (19 वर्ष तक) के 42 शीर्ष खिलाड़ियों के अनुबंधों और 320 अन्य चुनिंदा खिलाड़ियों की मुफ्त कोचिंग में खर्च होता



CamScanner

## दिव्या देशमुख, 19 वर्ष

आइएम, वर्ल्ड जूनियर गर्ल्स चैंपियन

उबाऊ. शतरंज के बारे में पांच वर्षीया दिव्या देशमुख की पहली प्रतिक्रिया यही थी. फिर प्रतिस्पर्धा की लहर ने जकड़ लिया. नागपुर की तीसरी ग्रैंडमास्टर और यह गौरव हासिल करने वाली मात्र चौथी महिला बनने के लिए प्राणपण से जुटी देशमुख कहती हैं, "टूर्नामेंट खेलना शुरू करने के बाद मैं तालिका में शीर्ष पर रहना और खेल में सर्वश्रेष्ठ होना चाहती थी." 2024 नई कामयाबियां लेकर आया, जिसमें दिव्या ने बुडापेस्ट में हुए 45वें चेस ओलंपियाड में टीम का स्वर्ण और व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता, लड़कियों की विश्व जूनियर चैंपियन बनीं, और 2500 एलो रेटिंग पार की. अब 2025 के लिए उनके लक्ष्य सीधे-सरल हैं—"मानसिक और शारीरिक सेहत पर ध्यान दूं, स्वस्थ और खुश रहूं."



आनंद ने *इंडिया टुडे* से कहा, "भारत पिछले दो-एक दशकों से यूथ चैंपियनशिप में सबसे दमदार देशों में से एक रहा है. हमने अपने लिए जो लक्ष्य तय किया, वह यह था कि अपने सबसे प्रतिभावान खिलाड़ियों को शीर्ष में आने में मदद करें." आनंद की देखरेख और मार्गदर्शन और ग्रेजगोरज गजेवस्की, अर्तुर युसुपोव तथा बोरिस गेलफैंड सरीखे शीर्ष ग्रैंडमास्टरों के साथ ऑनलाइन प्रशिक्षण के सबसे पहले लाभार्थियों में गुकेश, प्रज्ञान, सरीन और रौनक साधवानी थे. गुकेश कहते हैं, "विशी सर का योगदान सबसे बड़ा है. उन्होंने और वेस्टब्रिज ने प्रतिभाएं खोजने और उन्हें गजब का सहारा देने का बड़ा काम किया. हम बहुत कड़ी मेहनत कर रहे थे, और हमारे पास बेहतरीन टेक्नोलॉजी भी थी." प्रज्ञा इतना और जोड़ते हैं, "2020 में हमारे पास टूर्नामेंट नहीं थे, इसलिए कक्षाएं सही वक्त पर आईं और हम सब सत्र में हिस्सा लेने के लिए उत्साहित थे. आप विशी सर से किसी भी विषय पर चर्चा कर सकते हैं, किस पर ध्यान दें, खेल में क्या कमी है..."

कास्परोव के लोकप्रिय कथन को थोड़ा बदलकर कहें तो विशी की संततियों ने हंगामा बरपाने में ज्यादा वक्त नहीं लिया. चेन्नै में हुए 2022 के चेस ओलंपियाड में पुरुष और महिला दोनों टीमों ने कांस्य पदक जीते, तो गुकेश और निहाल ने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी जीते. पुरुष और महिला टीमों ने हांग्जो में हुए 2022 के एशियाई खेलों में रजत पदक भी जीते. आनंद कहते हैं, "मैंने देखा कि गुकेश बहुत प्रतिभावान था. गुकेश और प्रज्ञा, उनके वर्क एथिक चरम और अप्रत्याशित स्तर पर थे. निहाल थोड़ा ज्यादा रहस्यमयी था. वे सब बहुत महत्वाकांक्षी थे. मैंने इस पैटर्न पर भी गौर किया कि वे सब एक दूसरे को प्रेरित करते थे. ज्यों ही एक के हाथ कुछ लगा, दूसरे भी उत्साह और प्रेरणा से भर जाते."

**85**

ग्रैंडमास्टर भारत ...हैं, इससे ...र्फ रूस, ...नी और ...हैं

**3**

महिला ग्रैंडमास्टर हैं: कोनेरु हंपी, हरिका द्रोणावल्ली और आर. वैशाली सक्रिय खिलाड़ी हैं

आनंद तो मास्टरमाइंड थे ही, कई दूसरे कारकों ने भी युवा होनहारों के उभार को प्रोत्साहित किया. आइएम (इंटरनेशनल मास्टर) और जीएम की पहली पीढ़ी ने कोचिंग एकेडमियां शुरू कीं, जिन्होंने विष्णु प्रसन्ना (गुकेश के लंबे वक्त के कोच में से एक), आर.बी. रमेश (प्रज्ञा और वैशाली के कोच), श्रीनाथ नारायणन (अर्जुन, निहाल और दिव्या) और अभिजीत कुंटे सरीखे खिलाड़ी दिए. आनंद कहना पसंद करते हैं कि उन्होंने शतरंज की 'स्वर्णिम पीढ़ी' को कोचिंग दी.

## घरों में शतरंज की स्ट्रीमिंग

भारत में शतरंज के बढ़ते आकर्षण का श्रेय उन्हें भी जाता है जिन पर किसी को जरा शक नहीं हो सकता—स्टैंड-अप कॉमेडियन. लोकप्रिय कॉमेडियन और खुद शतरंज के शौकीन समय रैना ने 2022 में अपने यूट्यूब चैनल कॉमेडियन ओवर द बोर्ड पर तन्मय भट्ट, बिस्व कल्याण रथ, अनिर्बान दासगुप्ता और ऐसे ही दूसरे साथीजनों के साथ गेम स्ट्रीम करना शुरू किया. मार्च 2023 में रैना ने गुकेश के साथ गेम खेला और जीत की स्थिति में होने के बाद भी हार गए. चेसबेस इंडिया के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम किया गया सात मिनट का यह वीडियो अब तक 73






CamScanner